हिंदी विभाग

मानविकी संकाय, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी

छायाचित्र दीर्घा

नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता : मतदाता पंजीकरण क्यों और कैसे तिथि 19.01.2024

पूर्व छात्र मिलन समारोह 'आओ बीते लम्हों को याद करें' 14 .10 .2023

इन्दिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी
हिन्दी – विभाग
प्रथम 'पूर्व छात्र मिलन समारोह'

6MQW+VHJ Herbal Park, Janti, Haryana
122502, India

6MQX+P2C, Janti, Haryana 122
14 Oct 2023 11:09 am

Block
6MQX+P2C, Janti, Haryana 122502, India

6MQX+P2C, Janti, Haryana 122502, India
14 Oct 2023 11:06 am

Block
6MQX+P2C, Janti, Haryana 1225
14 Oct 2023 11:11 am

इन्दिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर,
हिन्दी – विभाग
प्रथम 'पूर्व छात्र मिलन समारोह'
'आओ बीते लम्हों को याद करें'
दिनांक : 14 अक्टूबर, 2023
स्थान : सरदार पटेल भवन

विस्तार व्याख्यान,

भारतीय ज्ञान परंपरा और भाषा' 27. 9 .2023

इन्दिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी
एवम्
दिनांक : 27 सितम्बर 2023
स्थानः सरदार पटेल संगोष्ठी कक्ष
कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रो. जे.पी. यादव
प्रो. प्रमोद कुमार

एवम्
अधिष्ठाता छात्र कल्याण के
कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रो. जे.पी. यादव
कुलपति
गरिमामयी उपस्थिति
प्रो. प्रमोद कुमार
कुलसचिव
दिनांक : 27 सितम्बर 2023

हिन्दी दिवस उत्सव 'उमंग' 14 सितम्बर से 28 सितम्बर 2023

हिन्दी दिवस
जे.पी. यादव
कुलपति
दिनांक : 27
स्थान:
प्रो. सुभाषचंद्र शर्मा
प्रो. सारस्वत मोहन मनीषी

बाबू बालमुकुंद गुप्त पुण्यतिथि पर पोस्टर बनाओ एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता

'स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी' 18. 9 .2

आईजीयू में बाबू बालमुकुंद गुप्त को किया गया नमन

खोजी/सुनीता गोयल

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के हिंदी विभाग में हिंदी दिवस उत्सव 'उमंग के अंतर्गत बाबू बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी विषय पर कविता एवं पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों के करीब 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभागीता की। विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाषचंद्र शर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए बाबूजी बालमुकुंद गुप्त को भारतेंदु हरिश्चंद्र का सच्चा उत्तराधिकारी बताया। उन्होंने बताया कि उनके लेखन में गुलाम राष्ट्र की बेड़ियों को तोड़ने वाला आत्मविश्वास था। उनके गद्य में वह जिंदादिल है जो विपत्तियों पर हंसना जानती थी। उस युग में जब देवनागरी को सरकारी नौकरियों के लिए कोई महत्व नहीं दिया जाता था तब अंग्रेजी सरकार हिंदी भाषा जाति में तरह-तरह के भेदभाव पैदा कर रही थी। ऐसे समय में बाबू बालमुकुंद गुप्त ने हिंदी के माध्यम से अंग्रेजी सरकार की नाक में दम कर दिया। अपने व्यंग्य लेखों से उन्होंने ब्रिटिश सरकार का आतंक अस्त-व्यस्त कर दिया। बाबूजी भाषा साहित्य और राजनीति के सजग प्रहरी थे। हिंदी विभाग ने बाबूजी के योगदान को याद करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम का सफल संचालन डा. अमन ने किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

GPS Map
Meerpur, Haryana, India
6MRW+957, Meerpur, Janti, Haryana 122502, India
Lat 28.24103°
Long 76.69518°
18/09/23 01:39 PM GMT +05:30
Google

आईजीयू में बाबू बालमुकुंद गुप्त को किया गया नमन

रणघोष अपडेट. रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के हिंदी विभाग में हिंदी दिवस उत्सव 'उमंग' के अंतर्गत बाबू बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर 'स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी' विषय पर कविता एवं पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों के करीब 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभागीता की। विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाषचंद्र शर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए बाबूजी बालमुकुंद गुप्त को भारतेंदु हरिश्चंद्र का सच्चा उत्तराधिकारी बताया। उन्होंने बताया कि उनके लेखन में गुलाम राष्ट्र की बेड़ियों को तोड़ने वाला आत्मविश्वास था। उनके गद्य में वह जिंदादिल है जो विपत्तियों पर हंसना जानती थी। उस युग में जब देवनागरी को सरकारी नौकरियों के लिए कोई महत्व नहीं दिया जाता था तब अंग्रेजी सरकार हिंदी भाषा जाति में तरह-तरह के भेदभाव पैदा कर रही थी। ऐसे समय में बाबू बालमुकुंद गुप्त ने हिंदी के माध्यम से अंग्रेजी सरकार की नाक में दम कर दिया। अपने व्यंग्य लेखों से उन्होंने ब्रिटिश सरकार का आतंक अस्त-व्यस्त कर दिया। बाबूजी भाषा साहित्य और राजनीति के सजग प्रहरी थे। हिंदी विभाग ने बाबूजी के योगदान को याद करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम का सफल संचालन डा. अमन ने किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

'स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी' विषय पर स्पर्धाएं आयोजित

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के हिंदी विभाग में हिंदी दिवस उत्सव 'उमंग' के अंतर्गत बाबू बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर 'स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी' विषय पर कविता एवं पोस्टर बनाओं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाषचंद्र शर्मा ने बाबूबालमुकुंद गुप्त को भारतेंदु हरिश्चंद्र का सच्चा उत्तराधिकारी बताया। उन्होंने कहा कि उनके लेखन में गुलाम राष्ट्र की बेड़ियों को तोड़ने वाला आत्मविश्वास था। उन्होंने अपने व्यंग्य लेखों से ब्रिटिश सरकार का आतंक अस्त-व्यस्त कर दिया। हिंदी विभाग की ओर से बाबू बालमुकुंद गुप्त को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम का संचालन डा. अमन ने किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

हिंदी दिवस उत्सव' उमंग' 14. 9 .2023 से 27 .9 .2023 तक

आईजीयू में हिंदी दिवस उत्सव 'उमंग' का हुआ शुभारंभ

खोजी/मनोज गोयल गुडियानिया

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के हिंदी विभाग में हिंदी दिवस उत्सव 'उमंग' 14 से 28 सितंबर का शुभारंभ प्रो. सुभाष चंद्र शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर किया। हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन विभाग द्वारा किया जाएगा। निबंध लेखन और कविता लेखन प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. सुभाषचंद्र शर्मा ने कहा कि लेखन प्रतियोगिताएं हमेशा लेखन जगत का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। सृजनात्मक लेखन से छात्रों को अपनी लेखन कला को प्रदर्शित करने और निखारने का मौका मिलता है। कार्यक्रम के अंतर्गत कविता पोस्टर, कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के समापन पर पुरस्कार वितरण तथा भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य विषय पर विस्तार व्याख्यान होगा। निबंध लेखन प्रतियोगिता का श्रीमती अभिलेख एवं कविता लेखन प्रतियोगिता का डॉ. वेदकला ने सफल संचालन किया। इस अवसर पर विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिंदी दिवस उत्सव 'उमंग' का शुभारंभ

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर के हिंदी विभाग में हिंदी दिवस उत्सव 'उमंग' 14 से 28 सितंबर का शुभारंभ प्रो. सुभाष चंद्र शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन विभाग द्वारा किया जाएगा। निबंध लेखन और कविता लेखन प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. सुभाषचंद्र शर्मा ने कहा कि लेखन प्रतियोगिताएं हमेशा लेखन जगत का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। सृजनात्मक लेखन से छात्रों को अपनी लेखन कला को प्रदर्शित करने और निखारने का मौका मिलता है। कार्यक्रम के अंतर्गत कविता पोस्टर, कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के समापन पर पुरस्कार वितरण तथा 'भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य' विषय पर विस्तार व्याख्यान होगा। निबंध लेखन प्रतियोगिता का अभिलेख एवं कविता लेखन प्रतियोगिता का डॉ. वेदकला ने सफल संचालन किया। संवाद

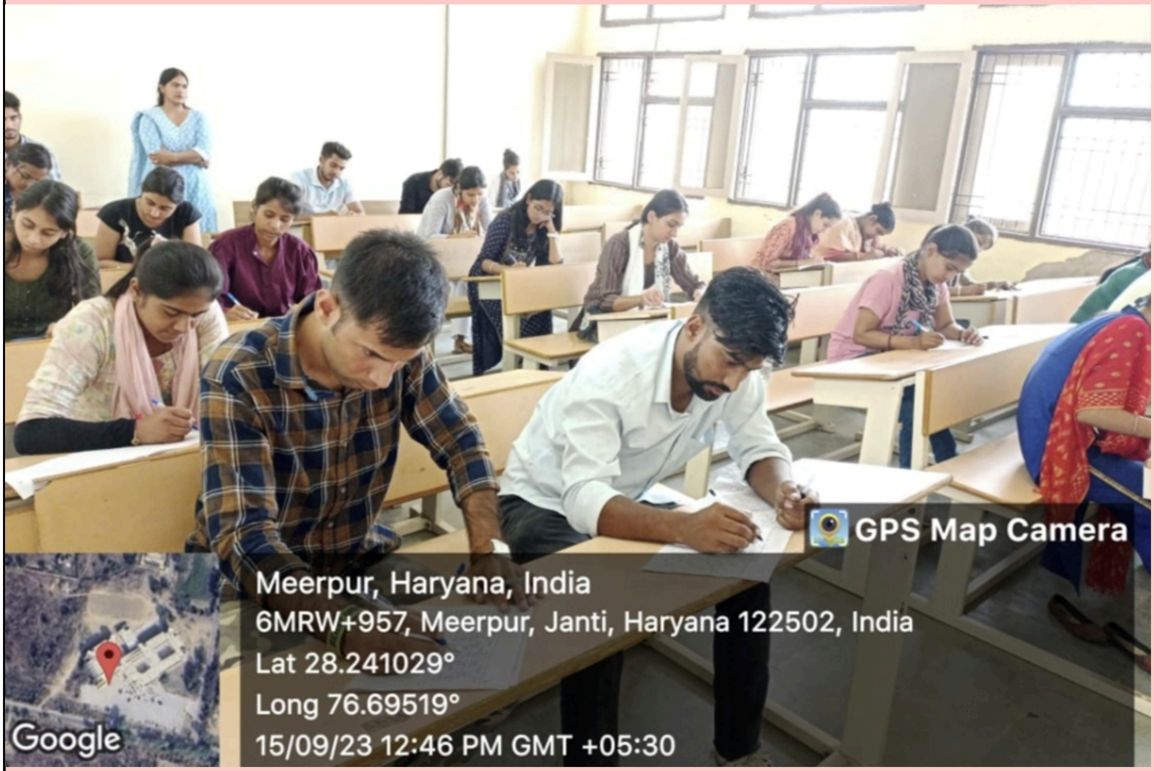

इन्दिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी
GPS Map Camera
Meerpur, Haryana, India
6MRX+59P, Meerpur, Janti, Haryana 122502, India
Lat 28.240389°
Long 76.698372°
27/09/23 11:30 AM GMT +05:30
Google

इन्दिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी
आज़ादी का अमृत महोत्सव
एवम्
अधिष्ठाता छात्र कल्याण
में आयोजित
हिन्दी दिवस उत्सव
28 सितम्बर 2023
कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रो. जे.पी. यादव
कुलपति
मुख्य वक्ता

हिन्दी दिवस उत्सव
28 सितम्बर 2023
मुख्य वक्ता
प्रो. सारस्वत मोहन 'मनीषी'

इन्दिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी
एवम्
अधिष्ठाता छात्र कल्याण के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित
हिन्दी दिवस उत्सव 'उमंग' 14 सितम्बर से 28 सितम्बर 2023
विषय : भारतीय ज्ञान परम्परा और भाषा
दिनांक : 27 सितम्बर 2023
कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रो. जे.पी. यादव
कुलपति
मुख्य वक्ता
प्रो. सारस्वत मोहन 'मनीषी'

कार्यक्रम • 'राम ना होते तो क्या होता, न्याय रात दिन आंसू रोता' से बटोरीं तालियां

उमंग' में गायत्री मंत्र की ज्ञान परंपरा से कराया अवगत

भास्कर न्यूज़ | रेवाड़ी

दिरा गांधी विश्वविद्यालय के हिंदी ौर छात्र कल्याण विभाग के युक्त तत्वावधान में आयोजित दी दिवस उत्सव 'उमंग' का धवार को समापन हो गया। ार्यक्रम में मुख्य अतिथि ऋषि क्त राष्ट्रीय कवि प्रो. सारस्वत हन 'मनीषी' अध्यक्ष, अखिल रतीय साहित्य परिषद, हरियाणा े। विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाष चंद्र र्मा ने अतिथियों का फूल लाओं से स्वागत करते हुए ार्यक्रम की रूपरेखा और संपूर्ण पोर्ट प्रस्तुत की।

मुख्यातिथि प्रो. मनीषी ने समापन मारोह के विषय 'भारतीय ज्ञान ंपरा और भाषा पर' अपने विचार खते हुए गायत्री मंत्र की ज्ञान परंपरा से अवगत कराया। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से कहा 'पाना भी जरूरी है खोना भी जरूरी है' और राम पर आधारित 'राम ना होते तो क्या होता, न्याय रात दिन आंसू रोता, जैसे छंदों से खूब तालियां बटोरी। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मुख्य उद्देश्य अच्छे मनुष्यों का विकास करना है।

कुलपति प्रो. जेपी यादव ने अजंता, एलोरा, खजुराहो के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के संदेश से अवगत कराया। कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते रहने चाहिए, ताकि विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति को जानने के बारे में निरंतर कुछ नया सीखने को मिले। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कुछ झलकियां भी प्रस्तुत की गई। छात्रा ज्योति (भौतिक विज्ञान विभाग) ने अपनी कविता 'सभ्यता यशस्वी हो जाए' और ज्योति कुमारी (हिंदी विभाग) ने जब 'जीरो दिया मेरे भारत ने' गीत और कविता 'सभ्यता प्रेम जो पुरखों का' सुना कर भारतीय ज्ञान परंपरा की छवि प्रस्तुत की। कुलपति प्रो. जेपी यादव, कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार और मुख्य अतिथि प्रो. सारस्वत मोहन 'मनीषी' ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम संयोजक और संचालक के रूप में डॉ. जागीर नागर की भूमिका सराहनीय रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग और अन्य विभागों से शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी, छात्र उपस्थित रहे।

आईजीयू में हिंदी दिवस उत्सव 'उमंग' का समापन समारोह

घोष अपडेट. रेवाड़ी

रा गांधी विश्वविद्यालय, पुर, रेवाड़ी के हिंदी विभाग र छात्र कल्याण विभाग संयुक्त तत्वावधान में 14 ंबर से 27 सितंबर तक ी दिवस उत्सव 'उमंग' का ापन समारोह आयोजित ा गया। कार्यक्रम के समापन सर पर मुख्य अतिथि ऋषि त राष्ट्रीय कवि प्रो. सारस्वत न 'मनीषी' अध्यक्ष, अखिल तीय साहित्य परिषद, हरियाणा कार्यक्रम के शुभारंभ पर त्राओं ने अतिथियों का तिलक स्वागत अभिनंदन किया, मां ती की पुष्प अर्पण के साथ रती वंदन और विश्वविद्यालय गीत की परंपरा का निर्वहन ा गया। विभागाध्यक्ष प्रो. ाषचंद्र शर्मा ने अतिथियों का गत करते हुए कार्यक्रम की रेखा और संपूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत ।

मनीषी ने समापन समारोह विषय 'भारतीय ज्ञान परंपरा र भाषा पर' अपने विचार ते हुए गायत्री मंत्र की ज्ञान रा से अवगत कराते हुए धुनिक समय तक की यात्रा आत्मसात कराया। अपनी ताओं के माध्यम से मां भारती की आरती वंदन करते हुए हिंदी की ज्ञान गरिमा से अभिभूत किया। मां, माटी का वंदन, अभिनंदन का भाव हमारी विरासत है। वेद उपनिषदों के ज्ञान भंडार से लेकर तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, उज्जयनी, काशी से लेकर अब तक वर्तमान भारत के पास मूल्य परक ज्ञान का समृद्ध इतिहास रहा है। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से कहा 'पाना भी जरूरी है खोना भी जरूरी है' और राम पर आधारित 'राम ना होते तो क्या होता, न्याय रात दिन आंसू रोता, जैसे छंदों से खूब तालियां बटोरी। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मुख्य उद्देश्य अच्छे मनुष्यों का विकास करना है।

कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति प्रो. जे.पी .यादव ने अजंता, एलोरा, खजुराहो के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के संदेश से अवगत कराया। उन्होंने अपनी बात को काव्य के माध्यम से रखते हुए धर्म मार्ग पर चलना, वेदों के ज्ञान को पाना, कर्तव्य मार्ग पर चलना, भारतीय ज्ञान परंपरा को जानना, किसी भी भाषा का ज्ञान होना, माता-पिता की सेवा करना, शिक्षकों का सम्मान, प्रकृति, पर्यावरण का संरक्षण, विज्ञान को शिखर पर पहुंचाना, देश के किसानों, सैनिकों, महिलाओं का सम्मान करना जरूरी बताया। कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते रहने चाहिए ताकि विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति को जानने के बारे में निरंतर कुछ नया सीखने को मिले। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कुछ झलकियां भी प्रस्तुत की गई छात्रा ज्योति (भौतिक विज्ञान विभाग) ने अपनी कविता 'सभ्यता यशस्वी हो जाए' और ज्योति कुमारी (हिंदी विभाग) ने जब 'जीरो दिया मेरे भारत ने' गीत और कविता' सभ्यता प्रेम जो पुरखों का' सुना कर भारतीय ज्ञान परंपरा की छवि प्रस्तुत की। वही हिंदी विभाग की छात्राओं ने 'जरा देर ठहरो राम' भजन मधुर स्वर में गाकर वातावरण को राममय कर दिया।

अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. तेज सिंह, रेवाड़ी से आए दशरथ चौहान जी विवेकानंद केंद्र प्रांत प्रभारी हरियाणा, महेश शर्मा जी विवेकानंद केंद्र नगर प्रमुख रेवाड़ी, प्रो. रोमिका बत्रा, डॉ. भारती, डॉ. रविंद्र, डॉ. मुकेश, डॉ. आनंद के साथ-साथ अन्य विभागों के शिक्षकों की उपस्थिति से कार्यक्रम सुरभित रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी .यादव, कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार और मुख्य अतिथि प्रो. सारस्वत मोहन 'मनीषी' ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दी। सृजनात्मक लेखन के अंतर्गत 'भारत बनाम इंडिया ' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पूनम (अर्थशास्त्र विभाग), द्वितीय वरुण यादव (हिंदी विभाग) तृतीय वंदना (हिंदी विभाग) तन्नु (हिंदी विभाग) नें प्राप्त किया। 'क्या तुम मुझे जानते हो -मैं भारत हूं' विषय पर कविता लेखन में प्रथम राम अवतार (सामाजिक कार्य विभाग), द्वितीय ज्योति कुमारी(हिंदी विभाग), रजत (वनस्पति विज्ञान विभाग) तृतीय पायल (इतिहास विभाग) ने प्राप्त किया। बाबू बालमुकुंद गुप्त को समर्पित 'राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी 'विषय पर कविता पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम वंदना (हिंदी विभाग), द्वितीय दीपक (अर्थशास्त्र विभाग) शिखा (राजनीति विज्ञान विभाग), तृतीय स्वीटी (वनस्पति विज्ञान विभाग) नें प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम संदीप (विधि विभाग), द्वितीय मनीषा (इतिहास विभाग) भारती (अंग्रेजी विभाग), तृतीय तनु (हिंदी विभाग) ने प्राप्त किया। देशभक्ति कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम ज्योति (भौतिक विज्ञान विभाग), द्वितीय योगेश (भौतिक विज्ञान विभाग) पुष्पा (अर्थशास्त्र विभाग), तृतीय ज्योति कुमारी (हिंदी विभाग) ने प्राप्त किया। 'आओ अपनी संस्कृति को जाने' कार्यक्रम के अंतर्गत 'मेहंदी-एक श्रृंगार' प्रतियोगिता में प्रथम ईशा (वनस्पति विज्ञान विभाग), द्वितीय पल्लवी (प्रबंधन विभाग) नेहा (इतिहास विभाग), तृतीय प्रियंका (अर्थशास्त्र विभाग) मनीषा (वनस्पति विज्ञान विभाग) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम संयोजक और संचालक के रूप में डॉ. जागीर नागर की भूमिका सराहनीय रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग और अन्य विभागों से शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी, छात्र उपस्थित रहे।।

ाई.जी.यू. में हिंदी दिवस उत्सव 'उमंग' का समापन

एं व दाएं) कार्यक्रम में विजेता टीमों को सम्मानित करते अतिथि व कुलपति।

(वधवा

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर किया सम्मानित

अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. तेज सिंह, रेवाड़ी से आए दशरथ चौहान विवेकानंद केंद्र प्रांत प्रभारी हरियाणा, महेश शर्मा विवेकानंद केंद्र नगर प्रमुख रेवाड़ी, प्रो. रोमिका बत्रा, डॉ. भारती, डॉ. रविंद्र, डॉ. मुकेश, डॉ. आनंद के साथ-साथ अन्य विभागों के शिक्षकों की उपस्थिति से कार्यक्रम सुरभित रहा।

कुलपति प्रो. जे.पी. यादव, कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार और मुख्यातिथि प्रो. सारस्वत मोहन 'मनीषी' ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम संयोजक और संचालक के रूप में डॉ. जागीर नागर की भूमिका सराहनीय रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग और अन्य विभागों से शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी, छात्र उपस्थित रहे।

वाड़ी, 27 सितम्बर (वधवा): गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, के हिंदी विभाग और छात्र ण विभाग के संयुक्त तत्वावधान से 27 सितम्बर तक हिंदी दिवस 'उमंग' का समापन समारोह जित किया गया। कार्यक्रम के न अवसर पर मुख्यातिथि ऋषि ाष्ट्रीय कवि प्रो. सारस्वत मोहन ी' अध्यक्ष, अखिल भारतीय य परिषद हरियाणा रहे।

ार्यक्रम के शुभारंभ पर छात्राओं थियों का तिलक कर स्वागत दन किया, मां भारती को पुष्प के साथ आरती वंदन और विद्यालय कुलगीत की परंपरा र्वहन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाषचंद्र शर्मा ने अतिथियों का फूलमालाओं से स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा और संपूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत की।

प्रो. मनीषी ने समापन समारोह के विषय 'भारतीय ज्ञान परंपरा और भाषा' पर अपने विचार रखते हुए गायत्री मंत्र की ज्ञान परंपरा से अवगत कराते हुए आधुनिक समय तक की यात्रा को आत्मसात कराया। कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति प्रो. जे.पी .यादव ने अजंता, एलोरा, खजुराहो के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के संदेश से अवगत करवाया।

उन्होंने अपनी बात को काव्य के माध्यम से रखते हुए धर्म मार्ग पर चलना, वेदों के ज्ञान को पाना, कर्त्तव्य मार्ग पर चलना, भारतीय ज्ञान परंपरा को जानना, किसी भी भाषा का ज्ञान होना, माता-पिता की सेवा करना, शिक्षकों का सम्मान, प्रकृति, पर्यावरण का संरक्षण, विज्ञान को शिखर पर पहुंचाना, देश के किसानों, सैनिकों, महिलाओं का सम्मान करना जरूरी बताया।

कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार कहा कि इस प्रकार के कार्यक्र आयोजित होते रहने चाहिएं ताि विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति जानने के बारे में निरंतर कुछ न सीखने को मिले।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्र की कुछ झलकियां भी प्रस्तुत की ग छात्रा ज्योति ने अपनी कविता 'सभ्य यशस्वी हो जाए' और ज्योति कुमा ने जब 'जीरो दिया मेरे भारत ने' गी और कविता 'सभ्यता प्रेम जो पुरख का' सुनाकर भारतीय ज्ञान परंपरा क छवि प्रस्तुत की। वहीं हिंदी विभाग क छात्राओं ने 'जरा देर ठहरो राम' भज मधुर स्वर में गाकर वातावरण क राममय कर दिया।

प्रेरण कार्यक्रम ' :दीक्षारंभ ' -2023 ,

5.9.2023

आओ अपनी लोक संस्कृति को जाने

'लोक पर्व हरियाली तीज -मेहंदी एक श्रृंगार '

प्रतियोगिता ,18 .8 .2023

छात्राओं ने सावन लोकगीत गाकर समां बांधा

- डा. रितु व डा. अल्पा ने गीत गाकर छात्राओं को नाचने पर मजबूर किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸। रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में लोक पर्व हरियाली तीज के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग की ओर से तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर डा. अर्चना यादव ने कहा कि लोक संस्कृति प्रकृति की गोद में पनपती है। लोक संस्कृति जन-जन के अंतस में बसी होती है। लोक रीति रिवाज, तीज त्योहारों की धमक लोक की माटी में रची बसी गंध लोक मानस के अंतस को युगयुगांतर से निर्मल उज्ज्वल करती

रेवाड़ी। कार्यक्रम मे अपनी मेहंदी दिखाती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

रही है। मुख्यातिथि विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाषचंद्र शर्मा ने कहा कि लोक समाज आज बाजारवाद की चपेट में आ चुका है। आज पश्चिमी संस्कृति, उपभोक्तावाद और पॉपलर संस्कृति ने बड़ी तेजी से अपने पांव पसारे है। लोक रीति रिवाजों पर, तीज त्योहारों पर, रहन-सहन पर, खान-पान पर इन बाहरी शक्तियों के प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता। ऐसे में जरूरी हो जाता है की नई पीढ़ी को हम अपनी लोक परंपराओं के वास्तविक रूप से अवगत कराएं। इस अवसर पर हिंदी की छात्रा रीना, तन्नु, नेहा योग विभाग की छात्रा रुबिया ने पारंपरिक सावन लोकगीत गाकर समां बांधा।

डा. रितु व डा. अल्पा ने गीत गाकर छात्राओं को नाचने पर मजबूर किया। इस अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता भी कराई गई। गीतांजलि ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम बताए। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ईशा, द्वितीय स्थान पल्लवी व नेहा तथा तृतीय स्थान प्रियंका व मनीषा ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका प्रो. रोमिका बत्रा, डा. अल्पा यादव, डा. रित व सीमा ने निभाई।

हरियाणवी लोकगीतों पर थिरकीं छात्राएं

संवाद न्यूज एजेंसी

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर में लोक पर्व हरियाली तीज के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग द्वारा तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। डॉ. अर्चना यादव ने कहा कि लोक संस्कृति प्रकृति की गोद में पनपती है। लोक संस्कृति जन-जन के अंतस में बसी होती है। मुख्य अतिथि विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाषचंद्र शर्मा ने कहा कि लोक समाज आज बाजारवाद की चपेट में आ चुका है। लोक में रचे बसे लोकगीतों में कभी ठहराव नहीं आता, वह जिसके कंठ से फूटता है, उसी का हो जाता है। सावन के लोकगीत, भजन, गीतों से हिंदी की छात्रा रीना, तन्नु, नेहा योग विभाग की छात्रा रुबिया ने पारंपरिक सावन लोकगीत गाकर समा बांधा। डॉ. रितु (इतिहास विभाग) ने सीताराम जी की प्यारी रजधानी लागे और राम को देखकर जनक नंदिनी जैसे भजन गाकर वातावरण को

आईजीयू में तीज महोत्सव कार्यक्रम में भाग लेतीं छात्राएं। स्रोत : कॉलेज

राममय कर दिया। वहीं डॉ. अल्पा (बॉटनी विभाग) ने झूला तो पड़ गई बाग में जी मेघ मल्हार गीत गाकर छात्रों को नाचने पर मजबूर कर दिया। मेहंदी प्रतियोगिता भी कराई गई, जिसमें विभिन्न विभागों के 20 प्रतिभागियों ने हुनर दिखाया। गीतांजलि (रसायन शास्त्र) ने प्रतिभागियों के लिए प्रतियोगिता के विषय 'मेंहदी-एक शृंगार' की घोषणा करते हुए नियम भी बताए। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान (ईशा बॉटनी) द्वितीय स्थान पल्लवी (एमबीए) और नेहा (इतिहास) ने तथा तृतीय स्थान प्रियंका (अर्थशास्त्र), मनीषा (बॉटनी) ने प्राप्त किया।

6MRR+HHV, Meerpur,
Jantsairwas, Haryana 122502,
few clouds

विस्तार व्याख्यान

रैगिंग एक अपराध 17 8 2023

रैगिंग के दुष्परिणामों के प्रति विद्यार्थियों को जागृत करने के लिए दिखाई डॉक्यूमैंट्री फिल्म

रेवाड़ी, 18 अगस्त (स.ह.): इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हिंदी विभाग में एंटी रैगिंग जागरूकता सप्ताह के तहत 'रैगिंग एक अपराध' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। छात्रा काजल और रीना ने मुख्य वक्ता विधि विभाग की सहायक प्रो. डॉ. मीनू यादव को तिलक कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं व स्टाफ सदस्याएं।

मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को रैगिंग मुक्त अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में सभी का व्यवहार एक-दूसरे के प्रति मित्रवत होना चाहिए। हम अपनी बातों से, आचरण से कोई ऐसा व्यवहार न करें जिससे छात्र तनाव में रहें। छात्रों को रैगिंग से संबंधित कानून की विभिन्न धाराओं, मापदंडों के बारे में पूरी जानकारी देते हुए उन्हें श्रेष्ठ नागरिक बनने की प्रेरणा दी गई।

कार्यक्रम की विषय वस्तु के बारे में विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाष शर्मा ने विस्तार से बताया। कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ. अर्चना यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जागीर नागर ने किया।

साप्ताहिक गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों को जागृत करना: कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी. यादव के मार्गदर्शन में एक संगठित कमेटी की व्यवस्था की गई तथा इस कमेटी की संयोजक प्रो. सविता श्योराण रही। उन्होंने बताया कि इस साप्ताहिक गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों को जागृत करना है, जिसके चलते वरिष्ठ विद्यार्थी अपने अनुज विद्यार्थियों के प्रति अपने दायित्व को समझें और एक आत्मीय व्यवहार की मिसाल बन सकें।

रैगिंग के दुष्परिणामों के प्रति विद्यार्थियों को जागृत करने के लिए एक डॉक्यूमैंट्री फिल्म भी दिखाई गई एवं एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें रैगिंग से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति विद्यार्थियों को आगाह किया।

इसके अतिरिक्त पीड़ित विद्यार्थियों के लिए टोल फ्री नंबर के विषय में भी बताया गया तथा ई-मेल और वैबसाइट के माध्यम से पीड़ित विद्यार्थी ऑनलाइन अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है, उसके बारे में भी विद्यार्थियों को सूचना प्रदान की गई। विभागाध्यक्ष प्रो. सविता श्योराण ने एंटी रैगिंग सप्ताह के सफल आयोजन पर पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई दी।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

हिंदी विभाग एवं हरियाणा ग्रंथ अकादमी पंचकूला के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित

15 .3 .2023 विषय -'साहित्य संस्कृति और समाज बाजारवाद और वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में '

में आयोजित

हिन्दी-विभाग, इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय
एवम्
हरियाणा ग्रंथ अकादमी
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
राष्ट्रीय संगोष्ठी
(बहु-विषयक)
विषय : साहित्य, संस्कृति और समाज
दिनांक : 15 मार्च 2023
सरदार पटेल

अकादमी, पंचकूला
संगोष्ठी
बाजारवाद और वैश्वीकरण के

हिन्दी-विभाग, इन्दिरा गाँधी
एवम्
हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
राष्ट्रीय संगोष्ठी
(बहु-विषयक)
विषय : साहित्य, संस्कृति और समाज : बाजारवाद और वैश्वीकरण के
दिनांक : 15 मार्च 2023
समय : प्रातः
सरदार पटेल

हिन्दी-विभाग,
मीरपुर, रेवाड़ी
अकादमी, पंचकूला
संगोष्ठी
और समाज : बाजारवाद
के परिप्रेक्ष्य में
समय : प्रातः 10 बजे
संगोष्ठी कक्ष
पर आप सभी का स्वागत है

इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी
एवम्
हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
में आयोजित
संगोष्ठी
बाजारवाद और
के परिप्रेक्ष्य में

मातृभाषा हिंदी को संजोए रखने के लिए युवाओं को एकजुट होने की जरूरत

रेवाड़ी, 15 मार्च (वधवा): इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर के हिंदी विभाग द्वारा व हरियाणा ग्रंथ अकादमी पंचकूला के वित्तीय प्रदत्त सहयोग से 'साहित्य, संस्कृति और समाज: बाजारवाद और वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि हरियाणा ग्रंथ अकादमी पंचकूला के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह चौहान रहे एवं विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय साहित्य परिषद, हरियाणा के अध्यक्ष सारस्वत मोहन मनीषी एवं मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बाबूराम रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि व मुख्य वक्ता को पौधा देकर स्वागत किया एवं साल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरूआत मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व विश्वविद्यालय कुलगीत द्वारा की गई। संगोष्ठी कार्यक्रम में 3 सत्रों का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के अध्यक्ष हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद्र शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए सभी विद्यार्थियों को भारतीय समाज की सभ्यता व संस्कृति के प्रति अवगत करवाया और बाजारवाद के कारण समाज पर पड़ने वाले प्रभाव तथा क्षेत्रीय विविधताओं पर इनके दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डॉ. बाबू राम ने साहित्य, संस्कृति एवं समाज में किस प्रकार से बदलाव लाया जा सकता है, के बारे में विस्तार पूर्वक व्याख्या की। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज की मातृभाषा हिंदी को संजोए रखने के लिए सभी युवाओं को एकजुट होकर प्रयास करने चाहिए।

आई.जी.यू. मीरपुर में आयोजित गोष्ठी कार्यक्रम में मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कुलपति व अन्य, (दाएं) गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि। (वधवा)

विद्यार्थियों को समाज की सभ्यता से कवाया अवगत

समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. संजीव चौहान ने विज्ञापन, फिल्मों के माध्यम से संस्कृति के अवमूल्यन पर ज्ञान चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को समाज की सभ्यता से अवगत करवाया। अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. मंजू परुथी ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का धन्यवाद करते हुए विद्यार्थियों को भारतीय सभ्यता व संस्कृति के बारे में समाज के विचारों के प्रति विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के दौरान मुख्य वक्ता से विद्यार्थियों द्वारा अनेकों सवालों के जवाब हासिल किए गए। मंच का संचालन कार्यक्रम की सह-संयोजक डॉ. अर्चना यादव द्वारा किया गया। संगोष्ठी कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, उत्तराखंड, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली से करीब 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

'हम संस्कृति की शाम नहीं होने देंगे, भारत माता का आंचल नीलाम नहीं होने देंगे'

विशिष्ट अतिथि सारस्वत मोहन मनीषी ने वैश्वीकरण पर चर्चा करते हुए कहा कि 'हम संस्कृति की शाम नहीं होने देंगे, भारत माता का आंचल नीलाम नहीं होने देंगे'। उन्होंने विभिन्न कविताओं, संस्कृत के श्लोकों के माध्यम से भारतीय समाज में साहित्य व संस्कृति का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों को जागरूक किया।

मुख्य अतिथि प्रो. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा हिंदी पर गर्व होना चाहिए। कुलपति प्रो. जयप्रकाश यादव ने बताया कि भारतीय साहित्य एवं संस्कृति समाज का दर्पण है। हम सभी भारतीयों को सकारात्मक राष्ट्रवादी भावना के साथ आगे बढ़ते हुए भारतीय सभ्यता को अपनाकर मानव कल्याण के लिए एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण करना चाहिए।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. निखलेश यादव द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि 'उदार चरितानाम वसुदेव कुटुंबकम' अर्थात जो उदार चरित है वह वसुदेव कुटुंबकम में शामिल है। इस सत्र के मुख्य वक्ता जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. अजमेर सिंह काजल, हिंदी प्रवक्ता डॉ. सुशील कुमारी, डॉ. शर्मिला, समीक्षक व कवयित्री डॉ. श्रुति सुधा आर्य ने अपने विचार है।

हिंदी-विभाग

इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी

एवं

हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला

विद्या ददाति विनयम्

के संयुक्त तत्त्वावधान में

साहित्य, संस्कृति और समाज : बाजारवाद और वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में

विषय पर

बुधवार : 15 मार्च 2023, समय : प्रातः 09:00

राष्ट्रीय संगोष्ठी

आप संगोष्ठी में सादर आमंत्रित हैं

निवेदक :

डॉ. सुभाषचन्द्र शर्मा
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
इंदिरा गाँधी वि.वि. मीरपुर, रेवाड़ी

डॉ. जागीर नागर
संगोष्ठी संयोजक, हिंदी विभाग
इंदिरा गाँधी वि.वि. मीरपुर, रेवाड़ी

डॉ. वीरेंद्र चौहान
निदेशक
हरियाणा ग्रन्थ अकादमी पंचकूला

स्थान : इंदिरा गाँधी वि.वि. मीरपुर, रेवाड़ी

मुख्य संरक्षक

डॉ. जे.पी. यादव
कुलपति, इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी

संरक्षक

डॉ. प्रमोद कुमार
कुलसचिव, इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी

डॉ. मंजू परूथी
अधिष्ठाता शैक्षणिक, इंदिरा गाँधी वि.वि. मीरपुर, रेवाड़ी

निदेशक

डॉ. सुभाषचन्द्र शर्मा
अध्यक्ष हिंदी विभाग
एवं अधिष्ठाता मानविकी संकाय, इंदिरा गाँधी वि.वि. मीरपुर, रेवाड़ी

संगोष्ठी संयोजक

डॉ. जागीर नागर
हिंदी विभाग, इंदिरा गाँधी वि.वि. मीरपुर, रेवाड़ी

सह-संयोजक

डॉ. अर्चना यादव
हिंदी विभाग, इंदिरा गाँधी वि.वि. मीरपुर, रेवाड़ी

आयोजन-समिति

डॉ. अमन (हिंदी विभाग)	8222014444	डॉ. अल्पा (वनस्पति विज्ञान विभाग)	9467556788
डॉ. रितु (इतिहास विभाग)	8076834103	श्री विनय (अंग्रेजी विभाग)	9992294025
श्री कंवर सिंह (प्रबंधन विभाग)	9050840177	श्रीमती अभिलेख (हिंदी विभाग)	9215598953

विस्तार व्याख्यान

हिंदी में रोजगार की संभावनाएं 16.12.2022